कक्षा-3 के लिए अपठित गद्यांश

वो अद्भुत सफर

एक समय की बात है, धरती पर एक युवा वैज्ञानिक थी जिसका नाम था आर्या। उसे हमेशा से अंतरिक्ष में रुचि थी। उसने अपनी जिंदगी के कई साल स्टार्स और ग्रहों के अध्ययन में बिताए थे। आर्या ने अपनी अनुसंधान से यह साबित किया था कि अंतरिक्ष में जीवन का अस्तित्व हो सकता है। लेकिन उसकी यह खोज पूरी दुनिया के लिए एक रहस्य बनी हुई थी।

एक रात, जब आर्या ने अपने टेलीस्कोप से चाँद को देखा, तो उसे एक अजीब सी चमक दिखाई दी। यह कोई असामान्य रोशनी थी जो उसके दिल में उत्सुकता भर दी। उस रोशनी के पीछे एक गहरा रहस्य छिपा था। उसने अपने मन में ठान लिया कि वह इसकी जांच करेगी।

आर्या ने अपने काम में जुट गई और अपनी पूरी मेहनत से एक अंतरिक्ष यान बनाने के लिए शोध करने लगी। महीनों की मेहनत के बाद, उसने आखिरकार एक ऐसा यान बनाया जो अंतरिक्ष में यात्रा कर सकता था। अपने साहस और ज्ञान के साथ, वह उस अद्भुत सफर पर निकली। उसने अपने यान को चाँद की ओर उड़ाया। जैसे-जैसे वह चाँद के करीब पहुँचती गई, वह रोशनी और भी तेज होती गई।

जब वह चाँद की सतह पर उतरी, तो उसे वहाँ कुछ अजब सा दिखाई दिया। चाँद पर एक अद्वितीय शहर था, जहाँ जीव-जंतु और मनुष्यों की तरह दिखने वाले लोग रह रहे थे। यह सब देखकर आर्या के होश उड़ गए।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. युवा वैज्ञानिक का नाम क्या था?

उत्तर _____

_____

प्र०2. आर्या ने अपनी अनुसंधान से क्या साबित किया था?

उत्तर _____

_____

प्र०3. आर्या ने अपने मन में क्या ठान लिया?

उत्तर _____

_____

प्र०4. ऊपर दिए गए गद्यांश से दो वाक्य ढूंढकर लिखें जहाँ कर्ता कारक का उपयोग हुआ हो।

उत्तर 1._____

_____

2. _____

_____